RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
10
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय / UNFCCC

संदर्भ:

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (UNFCCC) प्रक्रिया में सुधार के लिए एक बार फिर प्रयास तेज़ हो गए हैं, विशेषकर ब्राज़ील में होने वाले 30वें कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज़ (COP-30) से पहले। यह पहल उस समय ज़ोर पकड़ रही है जब इसके कमजोर क्रियान्वयन, अपर्याप्त वित्तीय समर्थन और प्रक्रियागत अक्षमताओं को लेकर वैश्विक चिंता बढ़ती जा रही है।

UNFCCC (United Nations Framework Convention on Climate Change): प्रमुख जानकारी

परिचय (About)-

- **UNFCCC** को **1992 के रियो अर्थ समिट** में अंगीकृत किया गया और यह **21 मार्च 1994** को लागू हुआ।
- वर्तमान में इसके **198 पक्षकार (Parties)** हैं, जो इसे **लगभग सार्वभौमिक सदस्यता वाला समझौता** बनाते हैं।
- यह **तीन रियो कन्वेंशनों** में से एक है:
  - **Convention on Biological Diversity (CBD)**
  - **United Nations Convention to Combat Desertification (UNCCD)**
  - इन तीनों को **Joint Liaison Group** के ज़रिए समन्वयित किया जाता है।

उद्देश्य (Objective)-

- **ग्रीनहाउस गैसों के स्तर को स्थिर** करना ताकि जलवायु तंत्र पर **खतरनाक मानवीय प्रभाव रोका जा सके**।

मूल सिद्धांत (Core Principles)-

- **Common but Differentiated Responsibilities (CBDR)**:
  - विकसित देश, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से अधिक उत्सर्जन किया है, उन्हें नेतृत्व करना चाहिए और विकासशील देशों की मदद करनी चाहिए।
- **Equity**: देशों की अलग-अलग क्षमताओं और जिम्मेदारियों को मान्यता देता है।

संस्थागत ढांचा (Institutional Structure)-

- **COP (Conference of the Parties)**: सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय
- **Subsidiary Bodies**:
  - **SBSTA** (Scientific and Technological Advice)
  - **SBI** (Implementation)
- **सचिवालय: बॉन, जर्मनी** में स्थित है और कन्वेंशन व प्रोटोकॉल्स के कार्यान्वयन में सहायता करता है।
- **Global Innovation Hub (2021 launch)**: **कम उत्सर्जन और जलवायु-लचीले भविष्य** के लिए नवाचार को बढ़ावा देता है।

United Nations Framework Convention on Climate Change

प्रमुख कार्य (Key Functions)

- **मंच:** वार्षिक **COPs** आयोजित करता है जहां देशों के बीच जलवायु समझौतों पर बातचीत होती है।
- **निगरानी और रिपोर्टिंग:** देश नियमित रूप से अपने **उत्सर्जन और जलवायु कार्रवाइयों की रिपोर्ट** जमा करते हैं।
- **वित्तीय और तकनीकी सहायता: Green Climate Fund** जैसे तंत्रों के माध्यम से **विकासशील देशों को सहायता** देता है।

महत्वपूर्ण समझौते-

Kyoto Protocol (1997):

- विकसित देशों के लिए **कानूनी रूप से बाध्यकारी उत्सर्जन कटौती लक्ष्य** निर्धारित करता है।
- लक्ष्य: **1990 के स्तर से 5% कम उत्सर्जन**
- भारत ने इसे 2002 में अनुमोदित किया, सिद्धांत: **CBDR**

Paris Agreement (2015):

- देश **स्वैच्छिक जलवायु कार्य योजनाएं (NDCs)** प्रस्तुत करते हैं।
- लक्ष्य: **वैश्विक तापमान वृद्धि को 2°C से नीचे**, और **1.5°C तक सीमित करना**।

प्रमुख कार्य (Key Functions):

- **मंच:**वार्षिक **COPs** आयोजित करता है जहां देशों के बीच जलवायु समझौतों पर बातचीत होती है।
- **निगरानी और रिपोर्टिंग:** देश नियमित रूप से अपने **उत्सर्जन और जलवायु कार्रवाइयों की रिपोर्ट** जमा करते हैं।
- **वित्तीय और तकनीकी सहायता: Green Climate Fund** जैसे तंत्रों के माध्यम से **विकासशील देशों को सहायता** देता है।

नाटो ने 2035 तक रक्षा व्यय में जीडीपी का 5% करने का वादा किया / NATO Pledges 5% GDP Defence Spending by 2035

संदर्भ:

जून में आयोजित अपने शिखर सम्मेलन में नाटो (NATO) ने सदस्य देशों के रक्षा खर्च को 2035 तक उनकी जीडीपी के 5% तक बढ़ाने का संकल्प लिया, जो पहले 2% था। यह नया संकल्प रूस-यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-गाजा और इज़राइल-ईरान संघर्ष, भारत-पाकिस्तान तनाव जैसे जारी संघर्षों और वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों के मद्देनज़र लिया गया है।

सैन्य खर्च का ऐतिहासिक प्रक्षेपवक्र:

वैश्विक प्रवृत्ति (Global Trend)

- 2024 में वैश्विक सैन्य खर्च $2718 बिलियन तक पहुँच गया – यह कोल्ड वॉर के बाद की सबसे तेज़ वार्षिक वृद्धि है, यानी 9.4% की वृद्धि।
- यह लगातार दसवाँ वर्ष था जब दुनिया भर में सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई।
- 2024 में 100 से अधिक देशों ने अपना रक्षा बजट बढ़ाया।

वैश्विक GDP में हिस्सेदारी (As Share of Global GDP)

- 1960 (कोल्ड वॉर पीक): सैन्य खर्च वैश्विक GDP का 6.1% था।
- 1998 तक यह घटकर 2.1% पर आ गया।
- 2024 में फिर बढ़कर 2.5% हो गया, नई वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरताओं का संकेत देता है।

यह आंकड़े दर्शाते हैं कि दुनिया **सुरक्षा चिंताओं और रणनीतिक प्रतिस्पर्धाओं** के दौर में एक बार फिर से सैन्यकरण की ओर बढ़ रही है।

Effect on Sustainable Development Goals (SDGs): प्रमुख प्रभाव

1. गरीबी उन्मूलन पर प्रभाव-

- **2030 तक चरम और पूर्ण गरीबी समाप्त करने** के लिए अनुमानित वार्षिक खर्च:
  - **चरम गरीबी**: $70 बिलियन
  - **पूर्ण गरीबी**: $325 बिलियन
- ये राशि वैश्विक **सैन्य खर्चों की तुलना में बहुत कम** हैं – उदाहरण के लिए, 2024 में सैन्य खर्च $2718 बिलियन रहा।

2. पर्यावरणीय प्रभाव-

- सेनाएं बड़े पैमाने पर **कार्बन उत्सर्जन** करती हैं।
- यदि **NATO 3.5% GDP रक्षा खर्च** का लक्ष्य अपनाता है, तो इससे **प्रति वर्ष 200 मिलियन टन CO_2 उत्सर्जन** बढ़ सकता है – जो **SDG 13 (Climate Action)** के विपरीत है।

भारत में रक्षा बनाम सामाजिक व्यय-

- **भारत का रक्षा बजट:** GDP का 2.3%
  - 2024-25 के लिए ₹6.81 लाख करोड़, इसके अतिरिक्त ऑपरेशन सिंदूर के बाद ₹50,000 करोड़ की आपात सैन्य खरीद को मंज़ूरी
- **आयुष्मान भारत योजना** (58 करोड़ लोगों को कवर करती है):
  - बजट: केवल **₹7,200 करोड़**

यह असंतुलन दर्शाता है कि **SDGs जैसे स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन और जलवायु कार्रवाई** के लक्ष्य **रक्षा प्राथमिकताओं के कारण पीछे छूट सकते हैं** यदि संतुलन नहीं बनाया गया।

The North Atlantic Treaty Organization (NATO): प्रमुख जानकारी

स्थापना (Establishment)

- **NATO** की स्थापना **1949** में **North Atlantic Treaty** (जिसे **Washington Treaty** भी कहा जाता है) पर हस्ताक्षर के साथ हुई।
- इसका मुख्य उद्देश्य था **द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में सोवियत विस्तार को रोकना**।

सिद्धांत:

- यह संगठन **सामूहिक रक्षा (Collective Defence)** के सिद्धांत पर आधारित है –
  - **अनुच्छेद 5 (Article 5)** के अनुसार,
    - **"किसी एक सदस्य पर हमला, सभी सदस्यों पर हमला** माना जाएगा।"

स्थापक सदस्य: बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, फ्रांस, आइसलैंड, इटली, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड्स, नॉर्वे, पुर्तगाल, यूनाइटेड किंगडम, और संयुक्त राज्य अमेरिका।

नवीनतम सदस्य: **फिनलैंड** वर्ष **2023** में NATO का सदस्य बना।

वित्तपोषण (Funding) सभी सदस्य देश **संगठन के संचालन व्यय** में योगदान देते हैं, जो **प्रत्येक देश की सकल राष्ट्रीय आय (Gross National Income)** के अनुसार **cost-sharing formula** से तय होता है।

एक्सेलेरेटर मास स्पेक्ट्रोमेट्री / Accelerator mass spectrometry

संदर्भ:

तमिलनाडु राज्य पुरातत्व विभाग (TNSDA) ने अमेरिका की बीटा एनालिटिक प्रयोगशाला को 7 पुरातात्विक स्थलों से प्राप्त 23 चारकोल नमूनों को एक्सेलेरेटर मास स्पेक्ट्रोमेट्री (AMS) डेटिंग के लिए भेजा है। यह पहल इन स्थलों की प्राचीनता का वैज्ञानिक आकलन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Accelerator Mass Spectrometry (AMS) Dating: प्रमुख जानकारी-

क्या है AMS डेटिंग?

- Accelerator Mass Spectrometry (AMS) एक उच्च-सटीकता वाली रेडियोकार्बन डेटिंग तकनीक है, जो प्राचीन सामग्रियों में कार्बन-14 (C-14) समस्थानिकों का अनुपात मापती है।
- पारंपरिक रेडियोमैट्रिक विधियों के विपरीत, AMS समस्थानिकों के क्षय (decay) को नहीं, बल्कि उनके परमाणुओं की गिनती करता है।

उद्देश्य:

- प्राचीन वस्तुओं की आयु अत्यंत सटीकता से निर्धारित करना
- बहुत ही छोटे सैंपल (सिर्फ 20 mg तक) के साथ डेटिंग करना संभव बनाना
- दुर्लभ या कीमती कलाकृतियों के लिए अविनाशी (non-destructive) विश्लेषण को संभव बनाना

कार्यप्रणाली:

1. **सैंपल तैयारी**: रासायनिक प्रक्रिया के बाद सामग्री को **ग्रेफाइट** में बदला जाता है
2. **आयनाइजेशन**: सीज़ियम बीम ग्रेफाइट पर बमबारी करती है और ऋणात्मक कार्बन आयन बनते हैं
3. **त्वरण (Acceleration)**: आयनों को तांडव इलेक्ट्रोस्टैटिक एक्सेलेरेटर से तेज किया जाता है
4. **Stripping और Detection**:
    - आयन स्ट्रिपर से गुजरकर **धनात्मक चार्ज** लेते हैं
    - **चुंबकीय क्षेत्र के माध्यम से C-12, C-13 और C-14** को उनके भार के आधार पर अलग किया जाता है
    - अंत में, **C-14 परमाणुओं की गिनती** करके आयु का निर्धारण किया जाता है

मुख्य विशेषताएँ (Key Features):

- **अत्यधिक सटीकता (High Precision)**: पृष्ठभूमि शोर (background noise) कम और परिणाम अधिक विश्वसनीय
- **न्यूनतम सैंपल आवश्यकता**: पारंपरिक विधियों की तुलना में **1000 गुना कम सैंपल**
- **तेज़ परिणाम**: घंटों में परिणाम मिलते हैं, जबकि पारंपरिक तकनीकों में दिनों लगते हैं
- **कम क्षति पहुँचाने वाली विधि**: कीमती या नाजुक वस्तुओं के लिए उपयुक्त
- **उच्च संवेदनशीलता**: **बीज, रक्त** जैसी वस्तुओं में भी **सूक्ष्म स्तर पर C-14** की पहचान संभव

प्रमुख उपयोग (Applications):

- **पुरातत्व**: लकड़ी, चारकोल, हड्डी, मिट्टी के पात्र की डेटिंग
- **भूविज्ञान और समुद्रविज्ञान**: तलछट विश्लेषण, समुद्री कार्बन मानचित्रण
- **जैवचिकित्सा अनुसंधान**: औषधीय
- ट्रेसिंग, माइक्रोडोज़िंग अध्ययन
- **जलवायु विज्ञान**: समुद्री प्रणालियों में **3D कार्बन आइसोटोप मैपिंग**

भारत-ब्राजील संबंध / India–Brazil Relations

संदर्भ:

भारतीय प्रधानमंत्री की ब्राज़ील की राजकीय यात्रा (करीब 60 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा) ने भारत-ब्राज़ील रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी को ब्राज़ील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान **"Grand Collar of the National Order of the Southern Cross"** प्रदान किया गया। यह सम्मान मई 2014 में पदभार संभालने के बाद किसी विदेशी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दिया गया **26वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान** है।

India–Brazil Relations:

महत्वपूर्ण समझौते:

- **भारत और ब्राज़ील** ने **6 द्विपक्षीय समझौतों** पर हस्ताक्षर किए, जिनमें सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं: सुरक्षा, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR)
- **आतंकी और संगठित अंतरराष्ट्रीय अपराध** के खिलाफ समझौता
- डिजिटल परिवर्तन के लिए बड़े पैमाने पर डिजिटल समाधान साझा करने का समझौता (MoU)

व्यापार निगरानी तंत्र: **व्यापार, वाणिज्य और निवेश** पर निगरानी के लिए **मंत्रिस्तरीय स्तर का तंत्र स्थापित** करने की घोषणा

रणनीतिक रोडमैप (Strategic Roadmap: अगले दशक के लिए 5 प्राथमिक स्तंभ): रक्षा और सुरक्षा, खाद्य और पोषण सुरक्षा, ऊर्जा संक्रमण और जलवायु परिवर्तन, डिजिटल परिवर्तन और उभरती प्रौद्योगिकियाँ, रणनीतिक क्षेत्रों में औद्योगिक साझेदारी

द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य (Trade Target): **अगले 5 वर्षों में व्यापार को लगभग दोगुना कर $20 बिलियन** तक पहुँचाने का लक्ष्य

सम्मान (Award): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्राज़ील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

- "Grand Collar of the National Order of the Southern Cross" प्रदान किया गया

India–Brazil Relations: प्रमुख आयाम

राजनयिक संबंध:

- भारत और ब्राज़ील के बीच **राजनयिक संबंध 1948** में स्थापित हुए।
- 2006 से दोनों देश रणनीतिक साझेदार (Strategic Partners) हैं।
- विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए अनेक संयुक्त कार्य समूह (Joint Working Groups) कार्यरत हैं।

व्यापारिक संबंध (Trade Relations)

- ब्राज़ील, दक्षिण अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
- 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार $12.2 बिलियन रहा: भारत का निर्यात: $6.77 बिलियन
- Trade Monitoring Mechanism स्थापित किया गया है, ताकि द्विपक्षीय व्यापार की निगरानी और बाधाओं की पहचान एवं समाधान हो सके।

रक्षा और सुरक्षा सहयोग:

- **2003 में रक्षा सहयोग समझौता** हुआ था।
- **संयुक्त रक्षा समिति (JDC)** नियमित बैठकें करती है – रक्षा सहयोग के लिए संस्थागत तंत्र।
- **2006 में रणनीतिक संवाद तंत्र (Strategic Dialogue Mechanism)** शुरू हुआ – क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विमर्श के लिए।
- दोनों देशों के बीच:
  - प्रत्यर्पण संधि (Extradition Treaty)
  - आपराधिक मामलों में आपसी कानूनी सहायता संधि (MLAT)
  - दंडित व्यक्तियों के स्थानांतरण समझौता भी मौजूद है।

चुनौतियाँ: भारत और ब्राज़ील के रिश्तों में **विशाल संभावनाएँ** हैं, लेकिन कई **चुनौतियाँ** भी मौजूद हैं –

- व्यापार, संपर्क (connectivity) और
- रणनीतिक मतभेद (strategic divergence) जैसे मुद्दों को संवेदनशील संवाद,
- संस्थागत तंत्रों, और
- राजनीतिक इच्छाशक्ति के ज़रिए सुलझाना आवश्यक है।

सुझावित कदम (Suggested Measures)

- गहन भागीदारी (Deeper Engagement)
- समझौतों के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी (Better Follow-up)
- जनता-जनता संपर्क (People-to-People Contact) को बढ़ावा देना

धम्मचक्कप्पवत्तन दिवस / Dhammachakkappavattana Day

संदर्भ:

संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध महासंघ (IBC) महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से **आषाढ़ पूर्णिमा—धम्मचक्कप्पवत्तन दिवस** का भव्य आयोजन करेगा। यह दिवस भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश को स्मरण करने और बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

Āshāḍha Pūrṇimā और International Buddhist Confederation (IBC): प्रमुख जानकारी

Āshāḍha Pūrṇimā

- यह दिन **धम्म चक्र प्रवर्तन** (First Turning of the Wheel of Dhamma) को चिह्नित करता है –
  - जब **भगवान बुद्ध** ने **सारनाथ** में अपने **पाँच तपस्वी साथियों (pañcavargiya)** को **पहला उपदेश** दिया था।
- यह अवसर **वर्षा वास (Varsha Vassa)** की शुरुआत का भी प्रतीक है, जिसे **बौद्ध भिक्षु और भिक्षुणियाँ** पूरी दुनिया में मनाते हैं।

International Buddhist Confederation (IBC)

- **स्थापना**: वर्ष **2012**, **नई दिल्ली** में हुए **Global Buddhist Congregation** के बाद
- यह **विश्व की पहली ऐसी संस्था** है जो **बौद्ध संगठनों, मठीय व्यवस्थाओं और गृहस्थ संस्थाओं** को एक साथ लाती है।
  - **39 देशों** और **320 से अधिक सदस्य संस्थाओं** की भागीदारी

उद्देश्य (Mission)

- **बौद्ध मूल्यों को वैश्विक विमर्श में शामिल करना**,
- **सद्भाव, करुणा और आध्यात्मिक संवाद** को बढ़ावा देना
- संगठन की दृष्टि है – **एकता, करुणा और धर्म का प्रचार**

मुख्यालय: **नई दिल्ली**

शासन संरचना:

- **मठवासी (monastic)** और **गृहस्थ (lay)** दोनों का सम्मिलित प्रतिनिधित्व
- यह **सामूहिक उत्तरदायित्व** और **बुद्ध धम्म की रक्षा व प्रचार** के सिद्धांत को दर्शाता है

टोकारा द्वीप समूह / Tokara Islands

संदर्भ:

जापान के दक्षिणी हिस्से में स्थित टोकारा द्वीप समूह में पिछले दो सप्ताहों के दौरान **1,000 से अधिक भूकंपों** ने क्षेत्र को झकझोर दिया है। इस तीव्र भूकंपीय गतिविधि ने स्थानीय प्रशासन और वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है।

Tokara Islands (Toshima Islands): प्रमुख जानकारी

स्थान (Location)

- **Tokara Islands**, जापान में स्थित एक **छोटा द्वीपसमूह (archipelago)** है,
  - जो **Kyushu** के दक्षिण और **Amami Islands** के उत्तर में स्थित है।

अन्य नाम

- इन्हें कभी-कभी **Toshima Islands** भी कहा जाता है।
- प्रशासनिक रूप से यह **Toshima-mura** नामक इकाई के अंतर्गत आते हैं, जिसका नाम इन्हीं द्वीपों से लिया गया है।

द्वीपों की संरचना (Island Composition)

- **7 बसे हुए द्वीप** (उत्तर से दक्षिण):
  - **Kuchinoshima, Nakanoshima, Suwanosejima, Tairajima, Akusekijima, Kodakarajima, और Takarajima**
- **5 निर्जन द्वीप**: **Gajajima, Kogajajima, Kojima, Kaminonejima, और Yokoatejima**

प्रशासनिक विशेषता: यह क्षेत्र लगभग **160 किमी में फैला** है, और इसे जापान का **"सबसे लंबा गांव" (Japan's longest village)** माना जाता है।

प्रमुख द्वीप (Main Island)

- **Nakanoshima**
  - क्षेत्रफल और जनसंख्या के आधार पर **Toshima Village का सबसे बड़ा द्वीप** है।
  - यहां का **Mount Otake** (ऊंचाई: **979 मीटर**)
    - इस द्वीपसमूह का **सबसे ऊँचा पर्वत** है
    - और **Nakanoshima के उत्तरी भाग पर स्थित** है।

वेरा सी. रुबिन वेधशाला / Vera C. Rubin Observatory

संदर्भ:

चिली स्थित वेरा सी. रुबिन वेधशाला (Vera C. Rubin Observatory) ने अपनी पहली तस्वीरें जारी की हैं, जिनमें **1 करोड़ आकाशगंगाओं**, **2,000 से अधिक नए क्षुद्रग्रहों** और **विभिन्न चमक वाले तारों** का अद्भुत विवरण सामने आया है। यह उपलब्धि खगोलशास्त्र के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

Vera C. Rubin Observatory (VRO): प्रमुख जानकारी

स्थान (Location)

- स्थित: **Cerro Pachón Mountain**, उत्तरी चिली
- **ऊँचाई**: 8,684 फीट (2,647 मीटर)

नामकरण (Naming)

- पूर्व नाम: **Large Synoptic Survey Telescope (LSST)**
- **2019 में नाम बदलकर** प्रसिद्ध खगोलशास्त्री **Vera C. Rubin** के सम्मान में रखा गया –
    - जिन्होंने पहली बार **गैलेक्टिक डार्क मैटर के अस्तित्व का प्रमाण** खोजा था।

वित्त पोषण (Funded by)

- U.S. National Science Foundation
- U.S. Department of Energy

मुख्य उपकरण (Core Instrument): Simonyi Survey Telescope

प्रमुख विशेषताएँ (Significance of the Observatory)

- VRO आगामी 10 वर्षों तक हर तीन रात में दक्षिणी आकाश का पूरा स्कैन करेगा।
- यह विश्व का सबसे विस्तृत खगोलीय टाइम-लैप्स (astronomical time-lapse) बनाएगा।
- इसकी प्रणाली 60 सेकंड में छवियों की तुलना कर सकती है और प्रति रात 1 करोड़ (10 मिलियन) अलर्ट उत्पन्न कर सकती है।

प्रमुख घटनाओं की पहचान

- **Supernovae (सुपरनोवा विस्फोट)**
- **गति करते खगोलीय पिंड** (उदाहरण: क्षुद्रग्रह, धूमकेतु)
- **प्रकाश मंद पड़ने की घटनाएँ** (जैसे ग्रह या तारा किसी अन्य तारे के सामने से गुजरते हैं)

बैटरी पासपोर्ट / Battery Passport

संदर्भ:

भारत जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) की सुरक्षा, गुणवत्ता और वैश्विक निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक **"बैटरी पासपोर्ट"** प्रणाली शुरू करने जा रहा है। इस प्रणाली के तहत बैटरियों का डिजिटल और ट्रेसेबल डेटा संग्रहित किया जाएगा, जिससे उनकी निगरानी और प्रमाणिकता सुनिश्चित की जा सकेगी।

Battery Passport: प्रमुख जानकारी

क्या है Battery Passport?

- यह बैटरी की एक डिजिटल पहचान (Digital Identity) होती है, जो एक QR कोड में एम्बेड की जाती है।
- इसमें बैटरी की उत्पत्ति, रचना (composition), प्रदर्शन (performance) और पूरा जीवनचक्र संबंधित डेटा होता है।

लाइफसाइकिल और सप्लाई चेन पारदर्शिता

- बैटरी के कच्चे माल की आपूर्ति से लेकर रीसाइक्लिंग तक की पूर्ण ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित करता है।
- किस वर्ष और किस बैच में सेल बनी है, इसकी भी पुष्टि करता है।

वैश्विक मानकों से मेल (Global Alignment)

- **EU Battery Regulation** जैसे नियमों से प्रेरित होकर, यह भारत की EV प्रणाली को वैश्विक गुणवत्ता, सुरक्षा और कार्बन रिपोर्टिंग मानकों के अनुरूप बनाने का प्रयास है।

Battery Passport का महत्व

1. **सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करता है**: EV में आग लगने की घटनाओं के बाद, यह प्रणाली अलग-अलग निर्माण वर्षों की सेल को मिलाकर बैटरी बनाने जैसे खतरनाक तरीकों पर रोक लगाएगी।
2. **उपभोक्ता का विश्वास बढ़ाता है**: उपभोक्ता QR कोड स्कैन करके बैटरी की स्थिति, अनुमानित आयु और प्रदर्शन से जुड़ी रियल-टाइम जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. **बैटरी स्वैपिंग और रीसाइक्लिंग में सहायक**: बैटरी स्वैपिंग नीति में यह सिस्टम ट्रैकिंग, मरम्मत, सुरक्षित निपटान और पुन: उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
4. **EV निर्यात में वृद्धि**: ट्रेसबिल और प्रमाणित बैटरी सिस्टम से भारतीय EVs अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगी, जिससे वैश्विक बाज़ार में नए अवसर मिलेंगे।

SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Pathshala
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M
Possible
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

CALL
CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: